मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांक: 11 अप्रैल 2017

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	12/04/17	13/04/17	14/04/17	15/04/17	16/04/17
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	39	40	40	39	39
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	19	21	21	20	20
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	28	27	26	29	28
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	9	7	8	10	9
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	9	7	8	6	9
हवा की दिशा	उत्तर–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:

फसल	अवस्था	सलाह
कपास	तैयारी	कपास की बुवाई के लिए उन्नत किस्मों के बीज, खाद व रसायनो की अग्रमि व्यवस्था करें।
बैंगन	वानस्पतिक	बैंगन की फसल में पौध रोपण के 15–20 दिन बाद 20 किलो नत्रजन को प्रति हैक्टेयर में छिटक कर दें साथ ही हल्की सिंचाई करें।
चारा फसल		शुष्क मौसम को देखते हुए चारे वाली फसलों में सिंचाई करें। ज्वार की बहु–कटाई वाली फसल में बुवाई के 25–30 दिनों बाद 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।
टमाटर	वानस्पतिक	टमाटर की फसल में पौध रोपाई के 15–20 दिन बाद निराई गुडाई कर खरपतवार निकालें।
कुष्माण्ड कुल की सब्जियां	पुष्पन	कुष्माण्ड कुल की सब्जियों में पुष्पन अवस्था पर (बुवाई के 50 दिन बाद) 30 किग्रा नत्रजन प्रति हैक्टर सिंचाई के साथ दें।

(नौडल ऑफीसर)